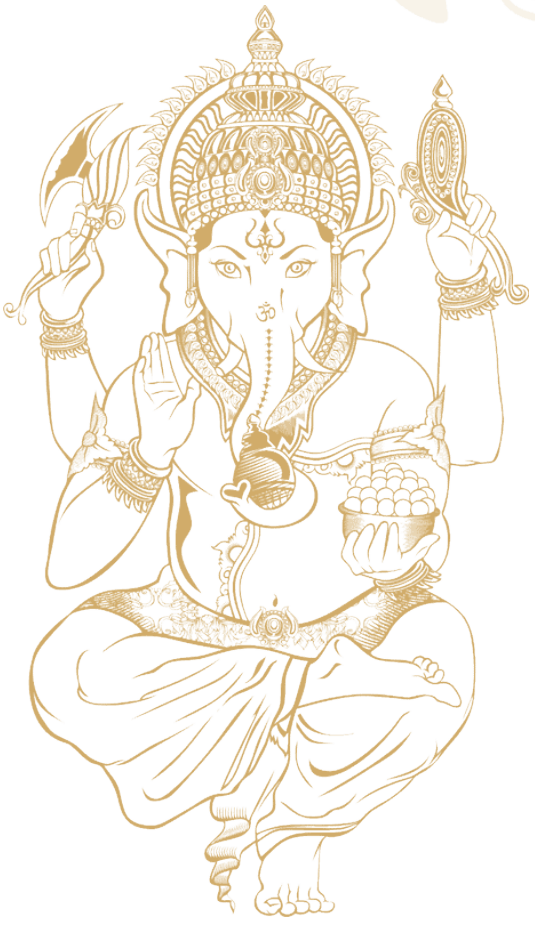

Nanki Budakoti

26 Dec 2020

05:48 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120706702

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25-26/12/2020	जन्म तिथि	**26/12/2025**
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 05:48:00	जन्म समय	12:34:22 घंटे
घटी 56:30:11	जन्म समय(घटी)	13:25:18 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:55	सूर्योदय	07:12:14
17:31:38	सूर्यास्त	17:31:30
24:08:44	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:17
वृश्चिक	लग्न	मीन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मेष	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	1
सिद्ध	योग	सिद्धि
बव	करण	तैतिल
लो-लोकेश	जन्म नामाक्षर	से-सेविका
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मेष
5	गत/तत्कालिक वर्ष	6

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
ज्येष्ठा	2	20:41:48	वृश्चि		
मूल	4	10:32:03	धनु		
भरणी	4	24:17:40	मेष		
अश्विनी	1	00:43:01	मेष		
पूर्वाषाढ़ा	1	13:53:52	धनु		अ
उत्तराषाढ़ा	4	07:17:02	मक		
ज्येष्ठा	1	18:46:15	वृश्चि		
उत्तराषाढ़ा	4	06:48:22	मक		
मृगशिरा	1	25:47:20	वृष		
ज्येष्ठा	3	25:47:20	वृश्चि		
अश्विनी	4	12:44:14	मेष	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मीन	17:39:08	1	रेवती
सूर्य			धनु	10:32:03	4	मूल
चंद्र			कुंभ	21:56:59	1	पू०भाद्रपद
मंगल		अ	धनु	14:06:20	1	पूर्वाषाढ़ा
बुध			वृश्चि	25:49:39	3	ज्येष्ठा
गुरु	व		मिथु	27:51:48	3	पुनर्वसु
शुक्र		अ	धनु	07:48:19	3	मूल
शनि			मीन	01:38:20	4	पू०भाद्रपद
राहु			कुंभ	17:01:43	4	शतभिषा
केतु			सिंह	17:01:43	2	पू०फाल्गुनी
मु			मेष	20:41:48	3	भरणी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:17

लग्न-चलित

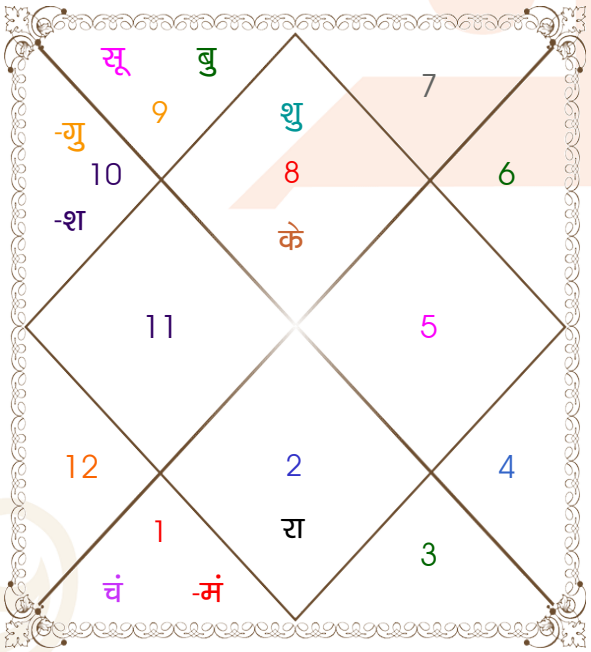

वर्ष लग्न कुंडली

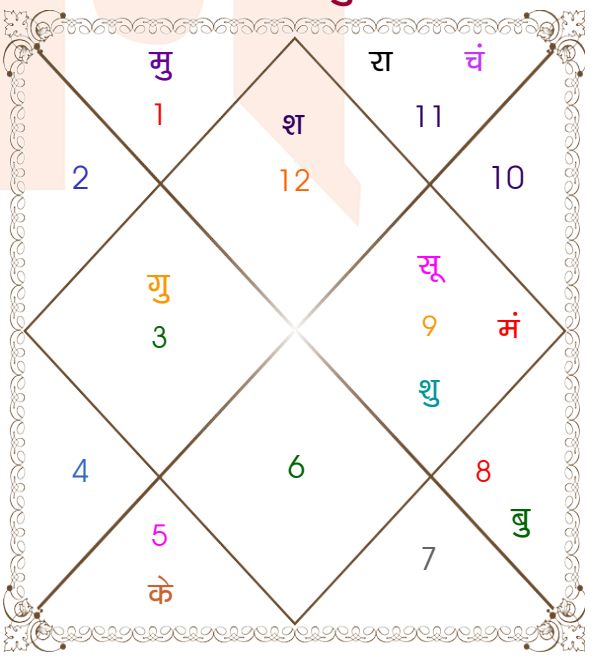

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - राहु - शनि		सूर्य - राहु - बुध		सूर्य - राहु - केतु		सूर्य - राहु - शुक्र	
13/12/2025 02:08		03/02/2026 03:17		21/03/2026 16:57		09/04/2026 21:10	
03/02/2026 03:17		21/03/2026 16:57		09/04/2026 21:10		03/06/2026 16:04	
शनि	21/12/2025 07:55	बुध	09/02/2026 17:37	केतु	22/03/2026 19:48	शुक्र	19/04/2026 00:19
बुध	28/12/2025 16:52	केतु	12/02/2026 10:49	शुक्र	26/03/2026 00:30	सूर्य	21/04/2026 18:04
केतु	31/12/2025 17:45	शुक्र	20/02/2026 05:06	सूर्य	26/03/2026 23:30	चंद्र	26/04/2026 07:38
शुक्र	09/01/2026 09:56	सूर्य	22/02/2026 12:59	चंद्र	28/03/2026 13:52	मंगल	29/04/2026 12:20
सूर्य	12/01/2026 00:24	चंद्र	26/02/2026 10:07	मंगल	29/03/2026 16:42	राहु	07/05/2026 17:34
चंद्र	16/01/2026 08:29	मंगल	01/03/2026 03:19	राहु	01/04/2026 13:44	गुरु	15/05/2026 00:53
मंगल	19/01/2026 09:21	राहु	08/03/2026 02:58	गुरु	04/04/2026 03:06	शनि	23/05/2026 17:05
राहु	27/01/2026 04:44	गुरु	14/03/2026 07:59	शनि	07/04/2026 03:58	बुध	31/05/2026 11:22
गुरु	03/02/2026 03:17	शनि	21/03/2026 16:57	बुध	09/04/2026 21:10	केतु	03/06/2026 16:04

सूर्य - राहु - सूर्य		सूर्य - राहु - चंद्र		सूर्य - राहु - मंगल		सूर्य - गुरु - गुरु	
03/06/2026 16:04		20/06/2026 02:32		17/07/2026 11:59		05/08/2026 16:12	
20/06/2026 02:32		17/07/2026 11:59		05/08/2026 16:12		13/09/2026 15:14	
सूर्य	04/06/2026 11:47	चंद्र	22/06/2026 09:19	मंगल	18/07/2026 14:50	गुरु	10/08/2026 20:52
चंद्र	05/06/2026 20:40	मंगल	23/06/2026 23:40	राहु	21/07/2026 11:52	शनि	17/08/2026 00:55
मंगल	06/06/2026 19:40	राहु	28/06/2026 02:17	गुरु	24/07/2026 01:13	बुध	22/08/2026 13:23
राहु	09/06/2026 06:50	गुरु	01/07/2026 17:57	शनि	27/07/2026 02:05	केतु	24/08/2026 19:56
गुरु	11/06/2026 11:26	शनि	06/07/2026 02:03	बुध	29/07/2026 19:17	शुक्र	31/08/2026 07:46
शनि	14/06/2026 01:54	बुध	09/07/2026 23:11	केतु	30/07/2026 22:08	सूर्य	02/09/2026 06:31
बुध	16/06/2026 09:47	केतु	11/07/2026 13:32	शुक्र	03/08/2026 02:50	चंद्र	05/09/2026 12:26
केतु	17/06/2026 08:47	शुक्र	16/07/2026 03:07	सूर्य	04/08/2026 01:51	मंगल	07/09/2026 18:59
शुक्र	20/06/2026 02:32	सूर्य	17/07/2026 11:59	चंद्र	05/08/2026 16:12	राहु	13/09/2026 15:14

सूर्य - गुरु - शनि		सूर्य - गुरु - बुध		सूर्य - गुरु - केतु		सूर्य - गुरु - शुक्र	
13/09/2026 15:14		29/10/2026 21:36		10/12/2026 07:05		27/12/2026 08:10	
29/10/2026 21:36		10/12/2026 07:05		27/12/2026 08:10		14/02/2027 00:58	
शनि	20/09/2026 23:03	बुध	04/11/2026 18:20	केतु	11/12/2026 06:56	शुक्र	04/01/2027 10:58
बुध	27/09/2026 12:21	केतु	07/11/2026 04:18	शुक्र	14/12/2026 03:07	सूर्य	06/01/2027 21:24
केतु	30/09/2026 05:07	शुक्र	14/11/2026 01:52	सूर्य	14/12/2026 23:35	चंद्र	10/01/2027 22:48
शुक्र	07/10/2026 22:11	सूर्य	16/11/2026 03:33	चंद्र	16/12/2026 09:40	मंगल	13/01/2027 18:59
सूर्य	10/10/2026 05:42	चंद्र	19/11/2026 14:20	मंगल	17/12/2026 09:32	राहु	21/01/2027 02:18
चंद्र	14/10/2026 02:14	मंगल	22/11/2026 00:17	राहु	19/12/2026 22:53	गुरु	27/01/2027 14:08
मंगल	16/10/2026 19:00	राहु	28/11/2026 05:19	गुरु	22/12/2026 05:26	शनि	04/02/2027 07:12
राहु	23/10/2026 17:33	गुरु	03/12/2026 17:47	शनि	24/12/2026 22:12	बुध	11/02/2027 04:47
गुरु	29/10/2026 21:36	शनि	10/12/2026 07:05	बुध	27/12/2026 08:10	केतु	14/02/2027 00:58

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी। इस समय आप में बल एवं उत्साह के भाव की अधिकता रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगी फलतः इनमें आपको वांछित सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा दूर दूर तक यश भी व्याप्त होगा। इससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको उचित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। मित्रों संबधियों तथा बन्धुवर्ग से भी इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं उनसे आप लाभ अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक रूचि रहेगी तथा समय समय पर रूचि पूर्वक आप इनका भक्षण करेंगी।

इस वर्ष में उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक नेताओं से आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी।इस समय आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा जिससे पारिवारिक तथा दाम्पत्य सुख में मधुरता रहेगी तथा आपका समय शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।